NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Sparsh)

CH 14 – कारतूस

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

1. कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

उत्तर :- कर्नल कॉलिज के द्वारा जंगल में खेमा इसलिए लगाया हुआ था क्योंकि वह वजीर अली को गिरफ्तार करना चाहते थे।

2. वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?

उत्तर :- वज़ीर अली से सिपाही इसलिए तंग आ चुके थे क्योंकि कई सालों से वे पकड़ में नहीं रहे थे और अंग्रेजों की आँख में धूल झोंककर फरार हो जाते थे अंग्रेज भी लंबे समय तक जंगल में रहते रहते परेशान या चुके थे|

3. कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए क्यों कहा?

उत्तर :- कर्नल ने धूल के उड़ने से अनुमान लगाया कि वजीर को ढूंढने वाले लोगों संख्या अधिक हैं इसलिए उन्होंने सवार पर नजर रखने को कहा|

4. सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है?

उत्तर :- सवार ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह स्वयं वजीर अली था और बहुत ही साहसी था वह दुश्मनों को चेतावनी दे रहा था|

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-

1. वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?

उत्तर: वज़ीर अली के बहादुरी के किस्से सुनकर ही कर्नल को रॉबिनहुड की याद आती थी क्योंकि वह रॉबिनहुड की तरह साहसी,दिलेर हार ना मानने वाला और बहादुर था। वह अंग्रेजी सरकार की पकड़ में नहीं आ रहा था क्योंकि वह उनकी आँखों में धूल झोंकर बार-बार भाग जाता था। कम्पनी के वकील को भी उसके द्वारा मार दिया गया था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

उत्तर: सआदत अली आसिफउदौला का भाई था और वज़ीर अली का चाचा था। वजीर अली का पैदा होना उन्हें अपनी मौत इसलिए लगा क्योंकि आसिफउदौला नि:संतान था और इसी कारण सआदत अली के नवाब बनने की पूर्ण संभावना थी।यही मुख्य: कारण था कि उसे वज़ीर अली की पैदाइश उसकी मौत लगी।

3. सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?

उत्तर: अंग्रेज़ कर्नल के द्वारा सआदत अली को तख्त पर बिठाने के पीछे का मकसद अवध की धन सम्पत्ति पर अपना प्रभुत्व जमाना।सआदत अली को गद्दी पर बैठा कर उन्हें बहुत फायदा हुआ क्योंकि उसने अंग्रेज़ों को आधी सम्पत्ति और दस लाख रूपये दिए।जिससे उन्हें बहुत अधिक लाभ मिलता |

4. कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?

उत्तर :- वजीर ने कंपनी के वकील की हत्या करने के बाद अपनी हिफाजत आजमगढ़ के नवाब से मदद लेकर की| आजमगढ़ नामक स्थान पर जाने के बाद उन्हें नवाब कि सहायता से घागरा पहुँचा दिया गया और तभी से वह वहाँ के वनों में रहने लगा।

5. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?

उत्तर: सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का-बक्का इसलिए रह गया क्योंकि जिस वज़ीर अली को पकड़ने के लिए लंबे समय से जंगल में डेरा डाले हुए था, वही वज़ीर अली ऐसा वेश बदलकर आया कि कर्नल को उसके किसी भी गतिविधि से ये एहसास नहीं हुआ कि वह वज़ीर अली है। वजीर अली सवार के रूप में बड़ी होशियारी के साथ कर्नल के खेमे में कारतूस लेने के उद्देश्य से दाखिल हुआ था कर्नल के पूछने पर उसने अपना परिचय वजीर के रूप में दिया|

(ख) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

1. लेफ्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?

उत्तर: लेफ़्टीनेंट को कर्नल के द्वारा यह पता चल पाया कि कंपनी के खिलाफ़ केवल वज़ीर अली ही नहीं बल्कि उसके साथ साथ बंगाल के नवाब का भाई शमसुद्दौला, दक्षिण के टीपू सुल्तान के द्वारा अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहेज़मा को आक्रमण करने के लिए बुलावा भेजा गया है। यह सब देखकर लेफ्टीनेंट को पता लगा कि कंपनी के खिलाफ़ पूरे हिन्दुस्तान में लहर दौड़ गई है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

उत्तर: वज़ीर अली को अंग्रेजो के द्वारा उसके नवाबी पद से हटाकर बनारस भेज दिया गया। वज़ीर अली को फिर कंपनी का वकील जोकि बनारस में रहता था उसके द्वारा जब उन्हे कलकत्ता बुलाया तो वह वज़ीर अली की शिकायत सुनने की जगह उसे ही उल्टा – सीधा सुनाने लगा। इस पर वज़ीर अली को क्रोध आ गया और उसने वकील का कत्ल कर दिया।

3. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर: वज़ीर अली अकेला ही घोड़े पर सवार होकर कर्नल के खेमे में पहुँच गया। उसने कर्नल से अकेले में मिलने के लिए कहा और कर्नल को ऐसा दिखाया कि वह वज़ीर अली के विरुद्ध है और कर्नल सवार की बात सहमत गया और वज़ीर अली ने कर्नल से दस कारतूस मांगे तो कर्नल ने उसे कारतूस दे दिए। इस प्रकार सवार ने कर्नल से कारतूस हासिल किए।

4. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए|

उत्तर: वज़ीर अली अंग्रेज़ों के खेमे पर अकेला चला गया और कर्नल से कारतूस लेने के पश्चात उसे अपना असली नाम भी बता दिया। अंग्रेजों द्वारा उसे अवध के तख्ते से हटा दिया जाने पर भी उसने पराजय नही मानी।अंग्रेजी सेना को महीनों तक अपने पीछे दौड़ाता रहा परंतु उनके हाथ नहीं आया। वज़ीफे की रकम में मुश्किल डालने वाले कंपनी के वकील की भी हत्या कर दी।

(ग) निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए -

1. मुट्ठीभर आदमी और इतना दमखम

उत्तर: इस पंक्ति में यह बताया गया है कि वज़ीर अली के पास केवल कुछ ही सैनिक थे लेकिन फिर भी उनकी मदद से उसने अपनी हिम्मत और शक्ति का परिचय दिया। अंग्रेजी सेना उसका पीछा कर रही थी लेकिन वह उसे पकड़ नहीं पा रहे थे।वह हर कार्य को इतनी सतर्कता के साथ करता कि इतनी बड़ी अंग्रेजी सेना भी उसे न पकड़ पाती|

2. गर्दन तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।

उत्तर: यह कथन लेफ्टीनेंट के द्वारा कहा गया है। जब वज़ीर अली अंग्रेज़ों के खेमे की ओर आ रहा था तो वह बहुत तेजी से आ रहा था जिस कारण बहुत ज्यादा धूल उड़ रही थी उसको देख कर ऐसा लग रहा था मानो सैनिकों की पूरी फौज आ रही हो। किन्तु वह अकेला ही था। लेफ़्टीनेट कहता है सैनिक तो एक ही नज़र आ रहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भाषा अध्यन

1. निम्नलिखित शब्दों का एक एक पर्याय लिखिए-

खिलाफ़, पाक, उम्मीद, हासिल, कामयाब, वजीफ़ा, नफरत, हमला, इंतेज़ार, मुमकिन

उत्तर:-

खिलाफ़ - विरुद्ध

पाक – पवित्र

उम्मीद- आशा

हासिल - प्राप्त

कामयाब – सफल

वजीफा- छात्रवृत्ति

नफ़रत - घृणा

हमला - आक्रमण

इंतेज़ार – प्रतीक्षा

मुमकिन – संभव

2. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

आँखों में धूल झोंकना, कूट-कूट कर भरना, काम तमाम कर देना, जान बख्श देना ,हक्का बक्का रह जाना।

उत्तर:-

(क) **आँखों में धूल झोंकना-** एक भाई ने दूसरे भाई की आंख में धूल झोंक दी।

(ख) **कूट-कूट कर भरना -** गांधीजी में देशभक्ति कूट-कूट कर भरी थी।

(ग) **काम तमाम कर देना-** नेवले ने साँप का काम तमाम कर दिया।

(घ) **जान बख्श देना-** देशद्रोहियों की जान किसी भी कीमत पर नहीं बख्शनी चाहिए।

(ड.)**हक्का- बक्का रह जाना-**अचानक पुलिस को देखकर चोर हक्के-बक्के रह गए|

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. कारक वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध बताता है। निम्नलिखित वाक्यों में कारकों को रेखांकित कर उनके नाम लिखिए-

(क) जंगल की जिंदगी बड़ी खतरनाक होती है।

(ख) कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई।

(ग) वज़ीर को उसके पद से हटा दिया गया।

(घ) फ़ौज के लिए कारतूस की आवश्यकता थी।

(ङ) सिपाही घोड़े पर सवार था।

उत्तर:-

(क) जंगल की जिंदगी बड़ी खतरनाक होती है।

संबंध कारक

(ख) कंपनी के खिलाफ़ सारे हिन्दुस्तान में एक लहर दौड़ गई।

संबंध कारक अधिकरण कारक

(ग) वजीर को उसके पद से हटा दिया गया।

कर्म कारक, अपादान कारक

(घ) फ़ौज के लिए कारतूस की आवश्यकता थी।

सप्रदान कारक संबंध कारक

(ङ) सिपाही घोड़े पर सवार था।

अधिकरण कारक

4. नीचे दिए गए वाक्यों में 'ने' लगाकर उन्हें दुबारा लिखिए-

(क) घोड़ा पानी पी रहा था।

(ख) बच्चे दशहरे का मेला देखने गए।

(ग) रॉबिनहुड गरीबों की मदद करता था।

(घ) देशभर के लोग उसकी प्रशंसा कर रहे थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर:- (क) घोड़े ने पानी पी लिया।

(ख) बच्चों ने दशहरे का मेला देख लिया।

(ग) रॉबिनहुड ने गरीबों की मदद् की थी।

(घ) देशभर के लोगों ने उसकी प्रशंसा की थी।

5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए –
(क) कर्नल ने कहा सिपाहियों इस पर नज़र रखो ये किस तरफ़ जा रहा है

(ख) सवार ने पूछा आपने इस मकाम पर क्यों खेमा डाला है इतने लावलश्कर की क्या ज़रूरत है

(ग) खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बाते कर रहे थे चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे एक व्यक्ति कह रहा था दुशमन कभी भी हमला कर सकता है।

उत्तर:
(क) कर्नल ने कहा, 'सिपाहियों इस पर नज़र रखो ये किस तरफ जा रहा है?"

(ख) सवार ने पूछा, "आपने इस मकाम पर क्यों खेमा डाला है? इतने लावलशकर की क्या जरूरत है ? "

(ग) खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे। चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे। एक व्यक्ति कह रहा था, "दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है।"

लिखित
(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-
प्रश्न 1. वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?
उत्तर- वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिन हुड की याद आ जाती थी, क्योंकि उनको जंगल में डेरा डाले हफ़्तों हो गए थे, फिर भी वज़ीर अली भूत की तरह हाथ ही नहीं लगता था। इसी प्रकार रॉबिन हुड भी जंगलों में घूमता रहता था, पर किसी के भी हाथ नहीं लगता था।

प्रश्न 2. सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?
उत्तर- सआदत अली अवध के नवाब आसिफउद्दौला का भाई और वज़ीर अली को चाचा था। आसिफ अली को जब तक संतान न थी तब तक सआदत अली के अवध का नवाब बनने की पूरी संभावना थी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही उसका सपना टूट गया उसे अपनी नवाबी खतरे में लगने लगी। अतः उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत समझा।

प्रश्न 3. सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?

उत्तर- सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का विशेष मकसद था। दोस्त होने के कारण उसे उसपर पूर्ण विश्वास था कि स्वयं तो वह ऐशो-आराम का जीवन बिताएगा ही, साथ ही उन्हें भी अर्थात् कर्नल को भी दौलत तथा संपत्ति देकर मालामाल कर देगा और उनकी जरूरतों के अनुसार हर तरह की मदद करेगा।

प्रश्न 4. कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वजीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?

उत्तर- वज़ीर अली को उसके पद से हटाने के बाद अंग्रेज़ों ने उसे बनारस भेज दिया और तीन लाख रुपया सालाना वज़ीफा तय कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने वज़ीर अली को कलकत्ता बुलाया। वज़ीर अली इस बुलावे से चिढ़कर कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में ही रहता था। वकील ने वजीर अली की शिकायत की कोई परवाह नहीं की, उल्टा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली को गुस्सा आ गया और उसने खंजर निकालकर वकील का कत्ल कर दिया। इसके बाद वज़ीर अली अपने सैनिकों के साथ आज़मगढ़ की ओर भाग गया। वहाँ के बादशाह ने उन लोगों को अपनी हिफाज़त में घाघरा तक पहुँचा दिया। तब से वह जंगलों में छिपकर अपनी शक्ति बढ़ाने लगा।

प्रश्न 5. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?

उत्तर- सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का-बक्का इसलिए रह गया, क्योंकि जिस वज़ीर अली को पकड़ने के लिए वह जंगल में लावलश्कर के साथ लंबे समय से डेरा डाले हुए था, वही वज़ीर अली ऐसा वेश बदलकर आया कि कर्नल को उसके किसी भी हाव-भाव से नहीं पता चला कि वह वज़ीर अली है। इसके अतिरिक्त उसने बड़ी ही होशियारी से अपना परिचय देकर कर्नल से कारतूस लेकर उसकी जान भी बख्श दी और देखते-ही-देखते घोड़े पर सवार होकर चला गया। कर्नल केवल घोड़ों की टापों का शोर ही सुनता रह गया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए-

प्रश्न 1. लेफ्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?

उत्तर- देश में अलग-अलग अनेक स्थानों पर राजा एवं नवाब कंपनी का विरोध कर रहे थे। जब लेफ़्टीनेंट ने देखा कि वज़ीर अली, टीपू सुल्तान तथा बंगाल के नवाब शमसुद्दौला ने बाहरी देशों जैसे अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दे दी है, तो उसे ऐसा लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है अर्थात् हिंदुस्तान में चारों ओर से कंपनी के खिलाफ युद्ध की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं।

प्रश्न 2. वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

उत्तर- वज़ीर अली को अंग्रेज़ों ने रहने के लिए बनारस भिजवा दिया था और उसे तीन लाख रुपया सलाना वजीफा देना तय किया था। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने वज़ीर अली को कलकत्ता बुलवाया। वज़ीर अली वहाँ जाना नहीं चाहता था। कंपनी का वकील भी बनारस में रहता था। इसलिए वह गवर्नर की शिकायत लेकर कंपनी के वकील के पास गया। शिकायत पर ध्यान न देकर वकील ने वज़ीर अली को भला-बुरा सुना दिया। इससे वज़ीर अली के स्वाभिमान को गहरा धक्का लगा। दूसरा वज़ीर अली कंपनी सरकार से नफ़रत करता था। इन दोनों कारणों के जुड़ जाने से वज़ीर अली ने वकील का कत्ल कर दिया।

प्रश्न 3. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर- सवार, जो कि स्वयं वज़ीर अली था, ने कर्नल से अपनी जाँबाजी और सूझ-बूझ से उसके खेमे में घुसकर, उसकी । जान बख्शकरे, कारतूस हासिल किए अर्थात् कर्नल और उसकी फ़ौज से बिना डरे वज़ीर अली ने कर्नल को उसकी औकात दिखाने के लिए उसी से कारतूस हासिल कर लिए।

प्रश्न 4. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- वज़ीर अली सचमुच एक जाँबाज सिपाही था। वह बहुत हिम्मती और साहसी था। उसे अपना लक्ष्य पाने के लिए जान की बाजी लगानी आती थी। जब उससे अवध की नवाबी ले ली गई तो उसने अंग्रेज़ों के विरुद्ध संघर्ष करना शुरू कर दिया। उसने गवर्नर जनरल के सामने पेश होने को अपना अपमान माना और पेश होने से साफ मना कर दिया। गुस्से में आकर उसने कंपनी के वकील की हत्या कर डाली। यह हत्या शेर की माँद में जाकर शेर को ललकारने जैसी थी। इसके बाद वह आज़मगढ़ और गोरखपुर के जंगलों में भटकता रहा। वहाँ भी निडर होकर अंग्रेज़ों के कैंप में घुस गया था। उसे अपनी जान की भी परवाह नहीं थी। उसके जाँबाज़ सिपाही होने का परिचय उस घटना से मिलता है जब वह अंग्रेज़ों के कैंप में घुसकर कारतूस लेने में सफल हो जाता है तथा कर्नल उसे देखता रह जाता है। इन घटनाओं से पता चलता है कि वह सचमुच जाँबाज़ आदमी था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए-

प्रश्न 1. मुट्ठीभर आदमी और ये दमखम।

उत्तर- इसका आशय है कि वज़ीर अली के पास मुट्ठी भर आदमी थे, अर्थात् बहुत कम आदमियों की सहायता या साथ था, फिर भी इतनी शक्ति और दृढ़ता का परिचय देना कमाल की बात थी। सालों से जंगल में रहने पर भी स्वयं कर्नल, उनकी सेना का बड़ा समूह; जो बहु-संख्या में युद्ध-सामग्री से लैस था, मिलकर भी उसे पकड़ नहीं पाए थे। उसकी अदम्य शक्ति और दृढ़ता को जीत नहीं पाए थे। वह हर काम इतनी सावधानी तथा होशियारी से करता था कि मुट्ठी भर आदमियों ने ही कर्नल के इतने बड़े सेना समूह की नाक में दम कर दिया था।

प्रश्न 2. गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नजर आता है।

उत्तर- यह कथन अंग्रेज़ों की फौज़ के लेफ़्टीनेंट का है। वज़ीर अली अकेला ही पूरे काफ़िले के समान था। वह तूफान की तरह शक्तिशाली और गतिशील था। उसके घोड़े की टापों से उड़ने वाली धूल ऐसा आभास देती थी मानो पूरी फौज़ चली आ रही है। इस वाक्य से आने वाले सवार के व्यक्तित्व की महानता की झलक मिलती है जो अकेले होते हुए भी अकेला नहीं दिखता। यह सवार वज़ीर अली था जिसका पता किसी को न चला।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों का एक-एक पर्याय लिखिए-

खिलाफ़, पाक, उम्मीद, हासिल, कामयाब, वजीफ़ा, नफ़रत, हमला, इंतेज़ार, मुमकिन

उत्तर- विरुद्ध, पवित्र, आशा, प्राप्त, सफल, छात्रवृत्ति, घृणा, आक्रमण, प्रतीक्षा, संभव

प्रश्न 2. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

आँखों में धूल झोंकना, कूट-कूटकर भरना, काम तमाम कर देना, जान बख्श देना, हक्का-बक्का रह जाना।

उत्तर- मुहावरा – वाक्य प्रयोग

आँखों में धूल झोंकना – तात्याँटोपे अंग्रेजों की आँखों में धूल झोककर रानी लक्ष्मीबाई की मदद करते रहे।

कूट-कूटकर भरना – चंद्रशेखर में देशभक्ति और देशप्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी थी।

काम तमाम कर देना – पठानकोट में सुरक्षाबलों ने चार आतंकियों का काम तमाम कर दिया।

जान बख्श देना – मुहम्मद गोरी को बंदी बनाने के बाद भी पृथ्वीराज चौहान ने उसकी जान बख्श दी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हक्का-बक्का रह जाना – पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों का पक्ष लेते देख विश्व के कई राष्ट्र हक्के-बक्के रह गए।

प्रश्न 3. कारक वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध बताता है। निम्नलिखित वाक्यों में कारकों को रेखांकित कर उनके नाम लिखिए-

1. **जंगल की जिंदगी बड़ी खतरनाक होती है।**
2. **कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई।**
3. **वज़ीर को उसके पद से हटा दिया गया।**
4. **फ़ौज के लिए कारतूस की आवश्यकता थी।**
5. **सिपाही घोड़े पर सवार था।**

उत्तर-

1. संबंध कारक
2. संबंध कारक, अधिकरण कारक
3. कर्म कारक, अपादान कारक
4. संप्रदान कारक, संबंध कारक
5. अधिकरण कारक

प्रश्न 4. क्रिया का लिंग और वचन सामान्यतः कर्ता और कर्म के लिंग और वचन के अनुसार निर्धारित होता है। वाक्य में कर्ता और कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार जब क्रिया के लिंग, वचन आदि में परिवर्तन होता है तो उसे अन्विति कहते हैं।
क्रिया के लिंग, वचन में परिवर्तन तभी होता है जब कर्ता या कर्म परसर्ग रहित हों;
जैसे- सवार कारतूस माँग रहा था। (कर्ता के कारण)
सवार ने कारतूस माँगे। (कर्म के कारण)
कर्नल ने वज़ीर अली को नहीं पहचाना। (यहाँ क्रिया, कर्ता और कर्म किसी के भी कारण प्रभावित नहीं है)
अतः कर्ता और कर्म के परसर्ग सहित होने पर क्रिया कर्ता और कर्म से किसी के भी लिंग और वचन से प्रभावित नहीं होती और वह एकवचन पुल्लिंग में ही प्रयुक्त होती है। नीचे दिए गए वाक्यों में 'ने' लगाकर उन्हें दुबारा लिखिए-

1. **घोड़ा पानी पी रहा था।**
2. **बच्चे दशहरे का मेला देखने गए।**
3. **रॉबिनहुड गरीबों की मदद करता था।**
4. **देशभर के लोग उसकी प्रशंसा कर रहे थे।**

उत्तर-

1. घोड़े ने पानी पीना जारी रखा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. बच्चों ने दशहरे का मेला देखने के लिए प्रस्थान किया।
3. रॉबिन हुड ने गरीबों की मदद की।
4. देशभर के लोगों ने उसकी प्रशंसा की।

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए-

1. **कर्नल ने कहा सिपाहियों इस पर नजर रखो ये किस तरफ़ जा रहा है।**
2. **सवार ने पूछा आपने इस मकाम पर क्यों खेमा डाला है इतने लाव लश्कर की क्या जरूरत है।**
3. **खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे एक व्यक्ति**
   कह रहा था दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है।

उत्तर-

1. कर्नल ने कहा "सिपाहियों इस पर नज़र रखो। ये किस तरफ़ जा रहा है?"
2. सवार ने पूछा, "आपने इस मकाम पर क्यों खेमा डाला है? इतने लाव-लश्कर की क्या जरूरत है?
3. खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे। चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे। एक व्यक्ति कह रहा था, "दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है।"

योग्यता विस्तार

प्रश्न 1. पुस्तकालय से रॉबिनहुड के साहसिक कारनामों के बारे में जानकारी हासिल कीजिए।

उत्तर- छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 2. वृंदावनलाल वर्मा की कहानी इब्राहिम गार्दी पढ़िए और कक्षा में सुनाइए।

उत्तर- छात्र स्वयं करें।

परियोजना

प्रश्न 1. 'कारतूस' एकांकी का मंचन अपने विद्यालय में कीजिए।

उत्तर- छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 2. 'एकांकी' और 'नाटक' में क्या अंतर है? कुछ नाटकों और एकांकियों की सूची तैयार कीजिए।

उत्तर- 'एकांकी' नाम से ही स्पष्ट है- एक + अंकी, अर्थात् एक अंक वाली। ऐसा छोटा-सा नाटक जिसमें एक अंक हो तथा जिसमें जीवन की किसी समस्या या घटना का चित्रण हो, उसे एकांकी कहते हैं। इसके

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मंचन के लिए कम पात्रों, कम समय तथा कम साज-सज्जा की आवश्यकता होती है। नाटक एक दृश्य-श्रव्य रचना होती है। इसमें पाँच या उससे अधिक अंक होते हैं।

नाटक में एक मुख्य कहानी तथा उससे जुड़ी अन्य कहानियाँ भी हो सकती हैं। यह एक बड़ी रचना होती है जिसमें जीवन के विभिन्न पहलुओं का चित्रण अनेक दृश्यों और अंकों में किया जाता है। इसके मंचन के लिए अनेक पात्रों, अधिक समय तथा ढेर सारी साज-सज्जा की आवश्यकता होती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in